# भारत विश्व में सर्वाधिक दूध उत्पादन करने वाला देश है:अरुणाचलम
## लेकिन देश में स्वच्छ दूध की उपलब्धता में अभी भी भारी कमी

कार्यक्रम में मौजूद संस्था के पदाधिकारी। छाया-आज

(आज समाचार सेवा)

झांसी, ७ जनवरी। आज केंद्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'स्वच्छ दूध-बेहतर स्वास्थ्य और कीमत' पर कार्यक्रम का आयोजन निदेशक डॉ ए. अरुणाचलम की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. अरुणाचलम ने बताया कि भारत विश्व में सर्वाधिक दूध उत्पादन करने वाला देश है, लेकिन देश में स्वच्छ दूध की उपलब्धता में अभी भी भारी कमी है। इसका मुख्य कारण पशुओं में पोषण की कमी, बीमार ग्रस्त पशु, पशुओं के रखरखाव और पशुपालकों में जागरूकता की कमी है। उन्होंने बताया कि विश्व का सर्वाधिक पशुधन हमारे देष में है और हरे तथा सूखे चारे की समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है । उन्होंने हरे चारे की कमी को पूरा करने के लिए कृषिवानिकी को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जिससे चारा पत्ती वाले वृक्षों के माध्यम से हरे चारे की कमी को पूरा किया जा सके । डॉ. के. के. सिंह, विभागाध्यक्ष, भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी ने बताया कि दूध अपने आप में एक संपूर्ण आहार है और प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छ दूध की संस्तुत मात्रा ग्रहण करनी चाहिए। पशुओं को रोग मुक्त रखकर और अच्छा पोषण युक्त चारा खिलाकर स्वच्छ दूध की उपलब्धता बढ़ाई जा सकती है और स्वच्छ दूध की उपलब्धता सुनिश्चित होने पर पशुपालकों को भी इसकी बाजार में अच्छी कीमत मिलेगी। इस अवसर पर कृषिवानिकी संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान स्थित डेयरी तथा पशुधन इकाई का भी भ्रमण किया और पशुधन रखरखाव, दूध निकालने की प्रक्रिया और प्रशीतन और पैकेजिंग के बारे में जानकारी प्राप्त की । कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशाराम ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नरेश कुमार ने दिया।